[श्री रामनरीना मिश्र]

मजदूरी करने जाते हैं । एक फैक्ट्री ही सलेमपुर में बनाना कम से कम वित्त मंत्री जी और योजना मंत्री जी तय कर दें जिस से उस गरीब इलाके के लोगों को रोजगार मिल सके और उन की रोजी रोटी की व्यवस्था हो सके । सड़कों का वहां इतना अभाव है कि अगर कोई बीमार हो जाय तो अस्पताल में जाना मुश्किल है । तो कम से कम कच्ची सड़क ही बनवा दें अगर पक्की नहीं बनवा सकते ।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं कहूंगा कि जो गरीब इलाके हैं उन पर मंत्री जी को विशेष ध्यान देना चाहिए । मैं इस विधेयक का समर्थन करता हुआ अपनी बात समाप्त करता हूं ।

18-30 hrs.

STATEMENT *RE.* DAMAGE TO THE AIR INDIA AIRCRAFT EARMARKED FOR PRIME MINISTE'S USE DURING HER SCHEDULED OFFICIAL VISIT TO FOREIGN COUNTRIES

MR. DEPUTY-SPEAKER: Now, the Home Minister will make a statement.

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI ZAIL SINGH): Sir, I rise to inform the House of a certain serious development that has come to the notice of the Government.

Hon. Members are not doubt aware that the Prime Minister is proposing to visit Switzerland, Kuwait and United Arab Emirates between the 5th and the 13th of May, 1981. The Air India Boeing 707 aircraf No. VT DPM MAKALU was earmarked for the use of Prime Minister during her foreign visit. This is one of the aircrafts that is customarily used for carrying VVIPs when they travel abroad.

The aircraft MAKALU returned to Bombay from Abu Dhabi on the 15th April, 1981. The periodic inspection of category p.3 started on the aircraft the same day in the Air India's hangers at Santa Cruz. On the 17th instant all the necessary control cables were inspected and were certified to be satisfactory except for one elevator cable which was found to be slightly frayed. A decision was accordingly taken to replace this cable and action for such replacement was taken on the 20th instant. On that day some further unnatural defects in the cable system came to notice. Thereafter an order was given for a re-inspection of all cables in the aircraft. The final check up showed that four vital cable systems namely those relating to elevator, rudder, horizontal stabilizer and rudder trim had been affected and that this could not have been due to normal causes but that they were intentionally cut in a manner so as to ordinarily preclude detection.

A high level team of officers including technical personnel was deputed to make a preliminary enquiry and they have expressed the opinion that this is a clear case of attempted sabotage.... (*Interruptions*) If the mischief had not been fortunately detected in time, this would have resulted in the crash of the aircraft, not immediately but after lapse of some time. The known fact that the aircraft would be used by the Prime Minister during her visit leads to obvious and grave conclusions about the motivation of those who perpetrated this outrageous deed.

The AIR-INDIA authorities have lodged a formal complaint with the C.B.I. and the matter is under investigation. The investigation will, no doubt, disclose all the details of what happened. I felt, however, that in a matter of such grave importance I should take the earliest opportunity to

share with the Hon'ble Members such information as is immediately available.

I am sure, all sections of the House would join me in expressing our strong condemnation of this dastardly act aimed at the Prime Minister's safety.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Ghulam Mohammad Khan.

SHRI EDUARDO FALEIRO (Mormugao): May we seek clarifications?

MR. DEPUTY-SPEAKAR: No clarifications here. Shri Ghulam Mohammad Khan.

16.36 hrs.

[SHRI HARINATHA MISRA *in the Chair*]

FINANCE BILL, 1981—*Contd.*

श्री गुलाम मोहम्मद खां (मुरादाबाद) : चेयरमैन साहब, मैं आपका बहुत आभारी हूं कि आपने मुझे फाइनेन्स बिल पर बोलने का मौका दिया । यूं तो हर साल हर गवर्नमेन्ट की तरफ से बजट पेश किए जाते रहे हैं और बड़ी तारीफों के पुल बांधे गए कि हमने इस तरह से इतना बढ़िया बजट और फाइनेन्स बिल बनाया है जिससे हिन्दुस्तान की गरीबी कतई दूर हो जायेगी और हिन्दुस्तान में इन्कम टैक्स इतना वसूल होगा कि हम अमरीका का मुकाबला करना शुरू कर देंगे । इस तरह की गलतफहमियां अखबारों के जरिए से पैदा की जाती रही । इत्तफाक की बात है कि इस साल भी फाइनेन्स मिनिस्टर साहब ने जो फाइनेन्स बिल पेश किया है उसमें गरीबों और बीच के तबके के लोगों की राहत का काफी इन्तजाम था, जैसे कि टैक्सेबिल लिमिट को बढ़ाकर 15000 कर दिया गया। इस बात के लिए मैं आपकी तारीफ करूंगा पहली क्योंकि बार आपने इस बजट में थोड़ी सी इनकम टैक्स की लिमिट बढ़ा दी है जिससे बीच के तबके के कुछ लोगों को फायदा पहुंचेगा ।

लेकिन साथ ही साथ इस बजट से यह भी जाहिर होता है कि जैसे ट्रेडीशनली पहले से बजट बनते आ रहे थे, कि फाइनेन्स सेक्रेटरी वगैरह ने बजट तैयार कर दिया और फाइनेन्स मिनिस्टर ने बजट यहां पर पढ़ दिया, उसी तरह से हालात से यह पता चलता है कि गरीबों के लिए, देहात के किसानों के लिए इस बजट में कोई खास प्राविजन नहीं किया गया है । हमारे मुल्क की 80 फीसदी आबादी देहातों में रहती है, वह आबादी इस गवर्नमेन्ट से तमन्ना रखती है कि पापुलेशन के मुताबिक हो उसे बजट में पैसा दिया जाए लेकिन ऐसा होता नहीं है । देहाती आबादी के लिए पहले उन लोगों पर 13 परसेन्ट लगा, फिर 17 परसेन्ट रखा गया, फिर 33 परसेन्ट दिया गया और एक बार ऐसा हुआ कि 43 परसेन्ट पैसा उनको दिया गया । जनता पार्टी के टाइम में देहातों में रोड्स वगैरह पर 33 परसेन्ट बजट का पैसा लगा ।

इस बार भी चुनाव के टाइम पर वायदा किया गया था कि गरीब तबके को काफी राहत दी जायेगी लेकिन वैसा नहीं हुआ । लोग उम्मीदों से बंधे बैठे ही रह गए । हमेशा से यही होता आ रहा है कि देहात में रहने वालों को कोई खास रियायत नहीं मिलती है। अगर कुछ सब्सीडी वगैरह उनके लिए रखी भी जाती है तो अफसरों के गड़बड़ घोटाले से गरीब मजदूर किसान को वह आधी ही मिल पाती है, आधी रिश्वत में चली जाती है । अगर कोई रिश्वत देने के लिए तैयार न हो तो उसे कुछ मिलता ही नहीं । जब किसानों की बात